डाक पंजीयन क्र. L/ RNP/म.प्र./ मन्दसौर/122/ 2021- 23
ई-पेपर www.guruexpress.live
बात आपकी, शब्द हमारे
गुरु एक्सप्रेस
सुबह का अख़बार
संपादक – आशुतोष नवाल
वर्ष 18 | अंक 41 | पृष्ठ 4 | मन्दसौर | सोमवार 20 नवम्बर 2023 | मूल्य 2 रुपया

अबे कई लाग रियो रे...
चुनाव लड़ने वालों से ज्यादा उनके छर्रे टेंशन में, कईयों की दुकानदारी हो सकती है बंद

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव को लेकर 3 दिसंबर तक अब एक ही सवाल गूंजना शुरु हो गया है कि आखिर कौन जीत रहा है? वर्ष 2014 में मोदी लहर जैसी सकारात्मक स्थिति भाजपा के लिए ही नहीं, बल्कि अब तक हुए चुनावों में कई बार कांग्रेस के लिए भी बनी। जहां प्रत्याशी के साथ समर्थक ऑल इज वेल बोलकर मतदान के बाद नो टेंशन मतगणना के दिन तक सोते रहे। लेकिन, इस बार हार-जीत का गुणा भाग दोनों ही दलों के लिए उलझा हुआ है। प्रत्याशियों का तनाव में रहना तो वाजिब है, लेकिन उनसे ज्यादा टेंशन में है उनके खासमखास व्यवसायिक समर्थक है। घर वाले हो या रिश्तेदार या दोस्त या पान की दुकान वाला या चाय की दुकान वाला, सबसे एक ही सवाल पूछ रहे हैं कि अबे कई लाग रियो थने...?

कई की दुकानदारी, ठेकेदारी हो सकती है बंद...

बड़ा ठेकेदार हो या राशन की दुकान चलाने वाला, कहीं न कहीं उनका कनेक्शन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से नेताजी से जुड़ा हुआ है। यह स्थिति मंदसौर की विधानसभा सीटों की ही नहीं, बल्कि प्रदेशभर की है। करोड़ो की सड़कों का काम लेने वाला ठेकेदार हो या राशन की दुकान चलाने वाला सेल्समेन, कहीं न कहीं नेताजी का आशीर्वाद ग्रहण करके अपनी आजीविका चला रहा है। ऐसे में आशीर्वाददाता का पॉवर अगर कहीं शिफ्ट हो गया तो आशीर्वाद बगैर आजीविका में आने वाले हरे रंग के कागज की आवक बंद होने की आशंका बन जाएगी। हालांकि, इनमें कई समर्थक ऐसे भी है जो सभी सरकारो में एडजस्टमेंट करने में विश्वास करते है।

नेता चेंज, समर्थक चेंज...

नेता चेंज तो समर्थक भी चेंज वाली बात मतगणना के बाद लागू हो सकती है। अगर नेताजी का चेहरा बदलता है तो कहीं न कहीं उनके ठेकेदारों और अन्य जगहों पर दुकानदारी करने वालों के चेहरे भी बदलेंगे। अपने खास और चुनाव में साथ देने वालों को वाजिब बात है कि नेताजी आगे उनकी चिंता करेंगे। ऐसे में आसानी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह चुनाव नेताजी के अलावा उनके खासमखासों के लिए कितना महत्व रखता है।

ऐसे होते है भक्त...

90 प्रतिशत लोग ऐसे है जो अपने फायदे या सरकार की योजनाओं का लाभ मिलने या फिर कहीं किसी बडे नेता की स्टाईल, भाषण से प्रभावित होकर किसी भी दल को मतदान करते हैं। लेकिन 10 प्रतिशत लोग अजीब तरह के हैं। उन्हें न किसी सरकार की योजना से मतलब है, न भ्रष्टाचार से मतलब है, न किसी चेहरे से मतलब है... बस पारिवारिक परंपरा का निर्वहन करते हुए किसी भी एक दल का समर्थन करते हैं। समर्थन ही नहीं करते बल्कि उस दल के खिलाफ कोई आरोप तक सुनना पसंद नहीं करते।

ज्यादा मतदान लाड़ली बहना के कारण तो नहीं?

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। मतदान समाप्ती के बाद से ही इस बात पर चर्चा तेज हो चली है कि ज्यादा मतदान लाड़ली बहना योजना की देन है। जबकि, प्रशासन की लगातार मतदार के प्रति जागरुकता से लेकर कई ऐसे कारण रहे है, जिससे मतदान का प्रतिशत लगातार बढ़ रहा है। कई लोगो के एक से ज्यादा मतदान केन्द्रो पर नाम थे। उनमें से ज्यादातर के नामो का विलय कर दिया गया है। जिससे भी मतदान का प्रतिशत बढ़ा हुआ दिख रहा है।

इधर ओल्ड पेंशन योजना की मांग कर रहे पुलिस विभाग सहित सभी सरकारी कर्मचारियो ने सरकार के पक्ष में वोट दिया है या विरोध में यह भी 3 दिसंबर को ही पता चलेगा। वैसे जनचर्चा में लगातार सरकारी कर्मचारी सत्ता विरोधी बात ही करते रहे है। इसलिए उनका स्टेंड मतदान के समय तक क्या रहा होगा, यह भी क्लियर नहीं हो पा रहा है। यदि सत्ता के विरोध में गए होंगे तो उनके परिजनो के वोट भी सत्ता के खिलाफ गए होंगे। इधर ग्रामीण क्षेत्रो में महिलाओ का रूझान मतदान के प्रति ज्यादा देखा गया है। लंबी लाईनो के बावजूद काफी समय तक महिलाओ ने अपने मतदान के समय का इंतजार किया। जिससे यह माना जा रहा है कि भाजपा सरकारी की लाड़ली बहना योजना ने अपना काम किया है।

इधर शहरी क्षेत्र में देखे तो मंदसौर शहर के 40 वार्डो में करीब 76 प्रतिशत मतदान ही हुआ है। जबकि, इसमें भी मुस्लिम बहुल वार्डो में 85 से 90 प्रतिशत तक मतदान हुआ है। कहीं-कहीं तो भाजपा के माने जाने वार्डो में भी 65-68 प्रतिशत मतदान हुआ है। यह नुकसान किसका है। क्या भाजपा पार्षदो ने जानबूझकर मतदान के प्रति बेरूखी रखी है या वे भी सत्ता से नाखुश है। पहले तो मतदाता सूची का पुनरीक्षण कार्य की अनदेखी की गई। जिससे कई लोगो के नाम मतदाता सूची से कट गए थे। ऐसे लोग अपना मतदाता फोटो परिचय पत्र लेकर

[हो सकती है सत्ता विरोधी लहर!]

मतदान केन्द्रो पर पहुंचे, लेकिन मतदाता सूची में नाम नहीं होने से निराश होकर लौटे। यह नुकसान भाजपा को हो रहा है या कांग्रेस को हो रहा है। यह भी स्पष्ट नहीं हो पा रहा है।

मंदसौर जैसी स्थिति जिले की अन्य तीन विधानसभाओ में भी है। सुवासरा, मल्हारगढ़ और गरोठ विधानसभा में स्थिति मंदसौर से भी ज्यादा बदतर रही है। ऐसे में इस बार चुनाव परिणाम अप्रत्याशित आए, इस आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता है। यह भी हो सकता है कि कोई भी एक दल 4-0 से स्वीप कर सकता है। राजनीति के जानकारो की माने तो इस बार जैसी असमंजस की स्थिति पिछले कई चुनावो में नहीं दिखाई दी है। खैर, ज्यादा मतदान किसके पक्ष में हुआ है, यह जानकारी 3 दिसंबर को सुबह 11 बजे तक सार्वजनिक हो जाएगी। उस दिन कहीं खुशी, कहीं गम का माहौल रहेगा। मतदाता तो उस दिन भी जैसे पहले था, वैसे ही रहेगा।

वोटिंग खत्म, पहरेदारी शुरू...
स्ट्रांग रूम के बाहर डटे कांग्रेसी, दिन-रात चौकीदारी कर रहे हैं कार्यकर्ता

जिले की चारों विधानसभा में वोटिंग खत्म हो गई है। मंदसौर, मल्हारगढ़, सुवासरा और गरोठ विधानसभा की इवीएम मशीनें मंदसौर के पीजी कॉलेज में बनाए गए स्ट्रांग रूम में सुरक्षित रखी गई है। कॉलेज परिसर में पुलिस का पहरा है। इसके साथ ही सीसीटीवी कैमरे भी लगाए गए हैं। वोटिंग मशीनों में गड़बड़ी होने या मशीनें इधर-उधर होने की आशंका के चलते कांग्रेस कार्यकर्ता दिन-रात कॉलेज के बाहर डंटे हुए हैं। ईवीएम मशीनें स्ट्रांग रूम में जमा होने के बाद शनिवार को कांग्रेस के कई कार्यकर्ता कॉलेज कैम्पस में गेट पर पहरेदारी करने पहुंच गए हैं। रातभर कांग्रेस कार्यकर्ता स्ट्रांग रूम के बाहर बिस्तर लगाकर बारी-बारी से पहरेदारी करते रहे। शनिवार रात कांग्रेस के सुनील बसेर, पंकज जोशी, पंकज सतीदासानी और सादिक ने स्ट्रांग रूम के बाहर पहरेदारी की।सुनील बसेर ने बताया कि चारों विधानसभा के प्रत्याशियों के यहां से दो-दो कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई है। दो से चार कार्यकर्ता 24 घंटे स्ट्रांग रूम के बाहर नजर रखेंगे। कार्यकर्ता बारी-बारी से 8-8 घंटे का समय देंगे।

शहर में बाइक चोरों का बोलबाला, पुलिस नहीं है सक्रिय

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर भर में बाइक चोर गिरोह सक्रिय है। लगातार बाइक चोरी के मामले सामने आ रहे है। आम जन और व्यापारी परेशान है। लेकिन, पुलिस सक्रिय नहीं है। यही कारण है कि बाईक चोरो के हौसले बुलंद है। दिन हो या रात, मोटर साइकलो को बाइक चोर गिरोह निशाना बना रहा है। इधर पुलिस की बात करे तो उसकी निष्क्रीयता का पता इसी से लगाया जा सकता है कि लंबे समय से कोई सफलता पुलिस के हाथ नहीं लगी है।

लगातार बाइक चोरी की वारदातों से शहर के आमजन, व्यापारियो का पुलिस के प्रति आक्रोश देखा जा सकता है। इधर पुलिस की बात करें तो शहर कोतवाली, नई आबादी और कोतवाली के कई टीआई बदल गए, लेकिन जहां नए नवेले तस्कर पुलिस के हत्थे आसानी से चढ़ जाते है, वहीं पुलिस को बाइक चोर नहीं मिल पा रहे।

स्क्रेप के रूप में खप रही बाईक...

अनुमान है कि जिले में ही चोरी की बाइक खप रही है। स्क्रेप करके इसके पार्टस अलग करके बेचने की खबरें भी समय समय पर आती रही है। इसका प्रमाण यह भी माना जा सकता है कि आचार संहिता में बार्डर पर पुलिस का सख्त पहरा था। मप्र और राजस्थान पुलिस के साथ ही बाहर से आया फोर्स भी हर वाहन की तलाशी ले रहा था। इसके बाद भी आचार संहिता में बाइक चोरी की वारदातें हुई। मतलब साफ है कि बाइक जिले के बाहर नही गई है। यहीं पर स्क्रेप और इंजन को अलग-अलग कर खपाया जा रहा है।

कई नेताओं का पालिटिकल कॅरियर कसौटी पर...
अब निपटे तो राजनीतिक जीवन समाप्त?

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। आगामी 3 दिसंबर को प्रदेश के सभी प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला होगा। लेकिन, मालवा-निमाड़ की 66 सीटों पर कुछ ऐसे भी नेता हैं, जिनका राजनीतिक भविष्य भी तय होगा। इसमें संसदीय क्षेत्र के पांच नेता शामिल है। इन प्रत्याशियों के लिए चुनाव हारना राजनीतिक भविष्य समाप्त होने जैसा होगा। एक तरह से यह उनका आखिरी चुनाव भी हो सकता है। 5 साल बाद किसी के उम्र आड़े आएगी तो कुछ के लगातार हारने पर पार्टी द्वारा किनारा करने का डर रहेगा। हालांकि राजनीतिक समीकरण कब बदलें, कहा नहीं जा सकता। लेकिन, हारने वाले कुछ नेताओं के लिए परिस्थितियां पक्ष में नहीं हैं।

संसदीय क्षेत्र में यह नेता है शामिल

राकेश पाटीदार– सुवासरा से 2020 में उपचुनाव में हार।

सुभाष सजोतिया– गरोठ से चुनाव लड़ रहे हैं, 2018 में हारे थे।

नरेंद्र नाहटा– मनासा से चुनाव लड़ रहे नाहटा 2018 में हार गए थे।

समंदर पटेल– जावद से चुनाव लड़ रहे पटेल 2018 में निर्दलीय चुनाव लड़कर हारे थे।

परशुराम सिसौदिया–मल्हारगढ़ से चुनाव लड़ रहे सिसौदिया 2018 में भी हार गए थे।

तापमान में बढ़ोतरी... तीन दिन बाद कंपकपाना शुरु करेगी ठंड

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। शहर में इन दिनों मौसम का मिजाज नरम गरम बना हुआ है। उत्तरी हवाओं के कारण रात में गुलाबी सर्दी के साथ-साथ दिन में भी हल्की ठंडक का अहसास होने लगा है। लेकिन पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने के कारण एक बार फिर उत्तरी हवा आना कम हो गई है, ऐसे में सर्दी का असर फिर थोड़ा कम होने लगा है। अगले दो तीन दिन भी न्यूनतम तापमान में बहुत ज्यादा गिरावट की उम्मीद नहीं है।

मौसम विभाग के अनुसार इस समय पश्चिमी विक्षोभ के कारण उत्तरी हवा का आना कम हो गया है। दिन में हवा का रूख पूर्वी और दक्षिण पूर्वी रहा, इसके कारण तापमान में बढ़ोतरी हुई है। अगले एक दो दिन न्यूनतम तापमान में हल्की बढ़ोतरी हो सकती है। पश्चिमी विक्षोभ के गुजरने के बाद 22 नवम्बर के बाद न्यूनतम तापमान में गिरावट आ सकती है। शहर में रविवार को सुबह धुंध छाई रही। सुबह 7 बजे तक जहां न्यूनतम विजिबिलिटी 2 हजार मीटर के आसपास रही, वहीं पूरे दिन भर विजिबिलिटी 3 हजार मीटर के आसपास रही। ऐसे में दिन भर धुंध रही। दूसरी ओर पिछले तीन चार दिनों से हवा का रूख दिन में भी उत्तरी था, ऐसे में दिन में भी हल्की ठंडक का अहसास होने लगा था। लेकिन, रविवार को हवा का रूख दक्षिण पूर्वी हो गया। इसके कारण तापमान में एक दिन में ही ढाई डिग्री से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। रविवार को शहर का अधिकतम तापमान 31.1 डिग्री और न्यूनतम 15.1 डिग्री दर्ज किया गया।

सहमा सहमा सा उत्साह है दोनों तरफ...
किस दिशा में होगी चुनावी ऊंट की करवट..!

दर्द-ए-दिल
कुमार दशपुरी

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा चुनाव में हुए अधिक मतदान के ये आंकड़े अकलमंदो की गोष्ठियों में तरह-तरह की चर्चाओं और अटकलों के कारण बने हुए हैं। पूरे संसदीय क्षेत्र में 80 फ़ीसदी से अधिक मतदान हुआ। यह ज्यादा मतदान किसके पक्ष में हुआ है, किस पार्टी की सरकार बन रही है, कौन उम्मीदवार जीत रहा है, किसकी फाइल निपट रही है। यह सब बातें बंद दुकानों की पट्टियों पर, पान की दुकानों पर, सेलुनों पर, बसों और ट्रेनों में यात्रा के दौरान और जब जिसको जहां समय और अवसर मिल जाए, बस यही बातें हो रही है। हर कोई चुनावी विश्लेषक बना हुआ है। कोई भाजपा को प्रचंड बहुमत दे रहा है तो कोई कांग्रेस की सरकार ला रहा है। कोई संसदीय क्षेत्र की आठों की आठों सीटें उड़ा रहा है तो किसी की राय में 5-3 या 6-2 ये आंकडे चल रहे हैं। तो कोई बाकी निर्दलीय को जीता रहा है।

भाजपाई हलकों में तो लाडली बहनाओं का फेक्टर चर्चाओं में है। महिलाओं ने बहुत मतदान किया है। यह धारणा इस तरह से प्रचलित की जा रही है, मानो प्रायोजित तरीके से चुनाव परिणाम तक यह भरोसा दिलाया जा रहा है कि भाजपा को लाडली बहना योजना के कारण अच्छा खासा बहुमत मिल रहा है और यही वजह भारी मतदान की भी है। कांग्रेस में तो मानों राज तिलक की तैयारी चल रही है। अति आत्मविश्वास में डूबे कांग्रेसजन मंत्रिमंडल तक तय करने लगे हैं। उन्हें पूरा भरोसा है कि यह जो अधिक मतदान हुआ है यह बदलाव का ही प्रतीक है और निश्चित तौर पर कांग्रेस की सरकार आ रही है।

यह सहमा सहमा सा उत्साह दोनों तरफ है। यह बात सही है कि इस पूरे चुनाव में बदलाव- बदलाव की बातें इतनी ज्यादा हुई है कि इस भारी मतदान के बावजूद भी भाजपा सहमी हुई है और कांग्रेस में भी उत्साह सहमा सा है। इस तथ्य से इनकार नहीं किया जा सकता। अब यह सहमा सहमा सा उत्साह कितना परिणाम कारक रहेगा यह तो 3 दिसंबर को ही पता चलेगा। लेकिन यह तय है कि यह अधिक मतदान एक नए समीकरण को सामने लाएगा।

गैस रिसाव के बाद धमाका, चाय बनाने गया अधेड़ झुलसा

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले के देहरी गांव में गैस रिसाव से हुए ब्लास्ट के बाद एक शख्स बुरी तरह झुलस गया। घटना रविवार सुबह 7 बजे की बताई जा रही है। वहीं किचन की पक्की दीवार ढह गई। हादसे के बाद घायल को बड़े अस्पताल रेफर किया गया। जहां उसका इलाज चल रहा है। जानकारी के अनुसार, भावगढ़ थाना क्षेत्र के देहरी गांव निवासी जुझारलाल पिता पन्नालाल सूर्यवंशी रात में अपने परिवार के साथ सोया था। सुबह वह खेत पर जाने के लिए तैयार हुआ और किचन में चाय बनाने गया। जैसे ही उसने लाइटर का स्विच दबाया। अचानक धमाका हुआ, इस धमाके में जुझारलाल बुरी तरह झुलस गया। धमाका इतना भयानक था कि किचन की सीमेंट से बनी पक्की दीवारे तक धराशाई हो गई। हादसे के बाद घायल को बड़े अस्पताल रेफर किया गया। जहां बर्न वार्ड में उपचार किया जा रहा है। मामले को लेकर पुलिस जांच कर रही है।इस घटना को लेकर अस्पताल चौकी प्रधान आरक्षक बंशीलाल परिहार ने बताया कि जुझारलाल सूर्यवंशी को घायल अवस्था मे लाया गया था। उनके बयान दर्ज किए है। घर मे गैस का रेगुलेटर चालू रहने से गैस रिसाव हुआ। सुबह चाय बनाने के दौरान धमाका हुआ है। इस वजह से घायल हो गए हैं। मामले की जांच की जा रही है।

कयास सिर्फ कयास ही रहेंगे, दावे बेमानी, जब ईवीएम से नतीजे बाहर आएंगे, तभी सामने आएगी सच्चाई

मंदसौर/उज्जैन, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। सम्राट चुनने वाले जनमानस का अमूल्य मत ईवीएम मशीन में बंद हो गया है। किसके पक्ष में, किसके विरोध में मतदान हुआ होगा, यह 3 दिसंबर को सभी मशीन मिलकर उजागर करेगी। इस बीच 15 दिनो में प्रत्याशी और पार्टी के लिए असंख्य विशेषज्ञों में प्रत्याशी और पार्टी के लिए अपनी राय जाहिर करना शुरू कर दिया है। इनमें से जो लोग राजनीतिक विजन से जनमत का आकलन अपने अनुभव से तौल कर प्रस्तुत कर रहे हैं। वह भी सिर्फ कयास ही कहलाते हैं, दावे नहीं। दूसरा जन समूह जो पार्टी या प्रत्याशी का पक्षधर होते हैं। उनका राजनीतिक दृष्टि से जनमानस को समझने का अनुभव हो ना हो या कम भी हो तब भी वे अपने प्रत्याशी और पार्टी के पक्ष में कयास के बदले दावे को बगैर लगभग के साथ प्रस्तुत करते है।

चन्द्रमोहन भगत

कयास लगने वाले क्षेत्र के वातावरण और राजनीतिक दृश्य का तुलनात्मक सामंजस्य प्रस्तुत करते हैं। इसलिए जब नतीजे आते हैं तो कयासों के करीब नज़र आते हैं और दावा करने वाले विशेषज्ञों के हिस्से में या तो जीत ही आती है या हार। क्योंकि, ऐसे लोग प्रत्याशी या पार्टी के पक्षधर होकर अपनी एकपक्षीय राय दावे के साथ प्रस्तुत करते हैं। मध्य प्रदेश की 230 विधानसभा सीटों पर हुए मतदान ने 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच कर पहले के अनुमानों को भीऔर अधिक गड़बड़ा दिया है। ढाई दशक पहले तक यह माना जाता रहा है कि अगर मत प्रतिशत अनुमान से अधिक पहुंचता है तो सत्ताधारी पार्टी की हार होती है। अब सोचने का तरीका भी बदल गया है। मतपत्र की जगह ईवीएम मशीन आ गई है। लैंडलाइन फोन की जगह घरों के सभी सदस्यों के पास अलग-अलग स्मार्टफोन आ गया है। इसलिए सभी ज्ञान वर्धन के मामले में व्हाट्स एप, यूट्यूब और गूगल का उपयोग करना जानते हैं।

पुराने आंकड़े अन्य राज्यों के मुकाबले प्रदेश की स्थिति, नेता, प्रत्याशियों की तुलनात्मक हैसियत, जनसाख भी आसानी से खंगाले जा सकते हैं। इसलिए माना जा रहा है कि इस बार हुए अधिक प्रतिशत मतदान का मतलब और कयास यह तो कतई नहीं हो सकता है कि सत्ता पक्ष के विरोध में मतदान हुआ है। चुनाव में मतदान गोपनीय प्रणाली होती है। अत: किसी के पक्ष और विपक्ष में कहना तो शुद्ध बेमानी होगा। यह कहा जा सकता है कि फलां दल के घोषणा पत्र के कारण युवाओं और महिलाओं के मत बहुतायत में किसी दल को गया होगा, यह भी कहा जा सकता है कि रोजगार, सस्ती बिजली, बेरोजगारी भत्ता देने की घोषणा ने भी मत प्रतिशत को इस आंकड़े तक पहुंचाया है। यह सच भी है कि प्रदेश की राजनीति के दोनों प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस ने लोक लुभावने वादों से जनमत को इतना लुभाया कि मतदाता के लिए दुविधा जनक स्थिति बन गई थी कि किस दल को प्राथमिकता दे।

वर्तमान भारतीय लोकतंत्र के मतदाता का साक्षर प्रतिशत बढ़ने के कारण वह खुद का, प्रदेश का भला करने वाले दल का चयन कर सकता है, किसी के बहकावे में आने वाला नहीं है। इसलिए नतीजे को लेकर जो कयास लगाए जा रहे हैं वह सिर्फ कयास ही रहेंगे और दलगत चश्माधारी जो वादे कर रहे हैं। उनके वादे भी तब बेमानी साबित होंगे, जब ईवीएम मशीनों से सभी प्रत्याशियों को मिले मतों के आंकड़े नोटा और खारिज सहित सब बाहर निकल आएंगे।

विचार-मंथन

लोकलुभावन वादों के बीच कैसे हो निष्पक्ष चुनाव?

चुनाव के समय राजनीतिक दल न केवल अपने घोषणा-पत्रों में बढ़-चढ़ कर लोकलुभावन वादे करते, बल्कि नकदी, आभूषण, महंगे उपहार और नशीले पदार्थ आदि बांट कर भी मतदाता को अपने पाले में खींचने का प्रयास करते देखे जाते हैं। यह अब एक तरह से परिपाटी बन गई है। हालांकि हर चुनाव में प्रत्याशियों के लिए खर्च की सीमा तय है और निर्वाचन आयोग दम भरता है कि वह स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराएगा। इसके लिए जगह-जगह छापामार दल तैयार किए जाते हैं, जो चुनाव के समय अवैध रूप से मतदाताओं को लुभाने वाली गतिविधियों पर नजर रखते और नकदी आदि बांटने पर रोक लगाने का प्रयास करते हैं। मगर हकीकत यही है कि हर चुनाव में नकदी और महंगे उपहार, शराब वगैरह का चलन बढ़ता गया है। अभी केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने बताया है कि पांच राज्यों में हो रहे विधानसभा चुनावों के दौरान जब्त की गई राशि पहले के चुनावों की तुलना में काफी बढ़ी हुई है। इस मामले में राजस्थान अव्वल है, जहां पहले की तुलना में करीब तीन गुना अधिक राशि जब्त की जा चुकी है। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इन राज्यों में कितने बड़े पैमाने पर नकदी, शराब वगैरह बांटी गई। चुनाव सुधार को लेकर लंबे समय से सुझाव दिए जाते रहे हैं। मतदाताओं को अनैतिक रूप से लुभाने की कोशिशों पर रोक लगाने के मकसद से कुछ कड़े प्रावधान भी किए गए। मगर उन कोशिशों का कोई लाभ नहीं मिल पा रहा, तो जाहिर है इसमें राजनीतिक दलों की इच्छाशक्ति का अभाव है। शायद किसी भी पार्टी में ऐसा नैतिक साहस नहीं है, जो दावा कर सके कि वह तय नियमों से बाहर जाकर चुनाव खर्च नहीं करती। यही वजह है कि स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव कराने की जिम्मेदारी बेशक निर्वाचन आयोग पर है, मगर उसे एक प्रकार से नख-दंतविहीन बना कर रखा गया है। चुनाव में प्रत्याशी के लिए तो खर्च की सीमा तय है, मगर पार्टियों के लिए कोई सीमा नहीं है। इस तरह अक्सर प्रत्याशी अपने तय सीमा से अधिक खर्च को पार्टी खर्च के खाते में दिखा देते हैं। इस तरह चुनावों में बेतहाशा खर्च किया जाने लगा है। निर्वाचन आयोग के लिए उस पर अंकुश लगाना कठिन बना हुआ है। पार्टियों को चुनावी चंदे के रूप में मिलने वाले गुप्त धन पर अंकुश लगाना तो चुनौती है ही। इस तरह चुनावों में काले धन को सफेद करने की कोशिशों पर रोक लगाना भी मुश्किल काम बना हुआ है। सब जानते हैं कि चुनावों में खर्च होने वाला धन राजनीतिक पार्टियां और प्रत्याशी चंदे के रूप में जुटाते हैं। हालांकि इसके लिए भी नियम-कायदे हैं, मगर हर राजनीतिक दल के पास चोरी-छिपे गुप्त धन पहुंचता है, जो आमतौर पर कालाधन होता है। वही पैसा प्रायः नकदी, आभूषण, शराब और दूसरी वस्तुओं के रूप में बांटा जाता है। आयकर और प्रवर्तन विभाग छापेमारी करके कुछ नकदी आदि पकड़ तो लेते हैं, मगर वह बांटी गई रकम का महज छोटा हिस्सा होती है। फिर, राजनीतिक दलों की इस प्रवृत्ति पर अंकुश इसलिए नहीं लग पाता कि जिस प्रत्याशी के पास से ऐसी अवैध चीजें पकड़ी जाती हैं, उसके खिलाफ कोई कड़ी कार्रवाई नहीं हो पाती। आजतक ऐसे किसी व्यक्ति का नामांकन या उसका चुनाव रद्द करने का प्रमाण नहीं है। जब तक कोई सख्त कदम नहीं उठाया जाएगा, राजनीतिक दल मतदाता को इस तरह प्रलोभित करने से शायद ही बाज आएं।

क्या पाकिस्तान के चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष हो पाएंगे?

मलीहा लोधी

8 फरवरी को होने वाले आम चुनावों के साथ, आने वाले हफ्तों में राजनीतिक दल आगामी मुकाबले के लिए समर्थन जुटाने के लिए चुनावी मोड में आ जाएंगे। चुनाव की तारीख की घोषणा से देश में लंबे समय से चली आ रही राजनीतिक अनिश्चितता समाप्त हो गई लेकिन चुनाव स्वतंत्र और निष्पक्ष होगा या नहीं, इसे लेकर संशय बरकरार है। यह स्पष्ट नहीं है कि क्या चुनाव समावेशी होंगे और क्या सभी के लिए स्वतंत्र रूप से चुनाव लड़ने के लिए समान अवसर होंगे। इमरान खान की पी.टी.आई. के सदस्यों की गिरफ्तारियों की नए सिरे से चल रही लहर से संदेह को बल मिला है। इसके लगभग सभी शीर्ष नेता अब जेल में हैं। पार्टी ने पाकिस्तान चुनाव आयोग को बाधाओं की एक सूची सौंपी है, जिसके बारे में उसका तर्क है कि इससे उसके चुनाव अभियान को स्वतंत्र रूप से संचालित करने की क्षमता बाधित होगी। जून 2023 में 'गैलप-पाकिस्तान' द्वारा किए गए एक जनमत सर्वेक्षण में पाया गया कि केवल एक चौथाई पाकिस्तानियों ने आगामी चुनाव की निष्पक्षता और पारदर्शिता में पर्याप्त विश्वास व्यक्त किया। अधिकांश उत्तरदाताओं को मतदान की सत्यनिष्ठा पर बहुत कम विश्वास था। इस प्रकार का सार्वजनिक संदेह मतदाता भागीदारी को रोक सकता है और कम मतदान में योगदान दे सकता है, जो चुनाव की वैधता को कमजोर कर सकता है। इससे चुनाव का

विश्वसनीय और पारदर्शी होना अनिवार्य हो जाता है। पाकिस्तान के विवादित चुनावों का इतिहास अनियमितताओं और मतदान धोखाधड़ी से प्रभावित चुनावी गतिविधियों के अस्थिर करने वाले परिणामों के बारे में एक सतर्क कहानी पेश करता है। यदि फरवरी का चुनाव एक और प्रक्रिया में विवादास्पद हो जाता है जिसे व्यंजनात्मक रूप से 'राजनीतिक इंजीनियरिंग' कहा जाता है तो यह राजनीतिक और आर्थिक स्थिरता को कमजोर कर देगा, जिसे पाकिस्तान बर्दाश्त नहीं कर सकता। देश आज कई चुनौतियों का सामना कर रहा है। कमजोर शासन, आर्थिक स्थिरता, बढ़ती मुद्रास्फीति, आंतरिक सुरक्षा के लिए बढ़ते खतरे, शिक्षा की कमी, अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि और शासन तंत्र की संस्थागत क्षमता का क्षरण। इन जटिल मुद्दों पर तत्काल ध्यान देने की जरूरत है। चुनावी दौड़ में भाग लेने वालों से मतदाताओं की अपेक्षा है कि वे इन समस्याओं का समाधान पेश करें, विशेष रूप से देश कैसे आर्थिक सुधार हासिल कर सकता है। जनता चाहती है कि राजनीतिक नेता एक रोडमैप बनाएं कि वे देश को कहां ले जाना चाहते हैं। यह आकलन करना बहुत जल्दबाजी होगी कि पार्टियां विभिन्न मुद्दों पर कहां खड़ी हैं और क्या उनके नेताओं ने पाकिस्तान के आर्थिक और राजनीतिक भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मुद्दों पर सावधानीपूर्वक विचार किया है। पार्टी के घोषणापत्र अभी जारी नहीं हुए हैं। लेकिन वे आमतौर पर तुच्छताओं से भरे होते हैं, जो उन्हें पार्टियों के बीच अलग-अलग नहीं करते हैं। क्या पार्टियां अब अपने घोषणापत्रों में सार्थकता शामिल करेंगी और पाकिस्तान के सामने आज मौजूद चुनौतियों को देखते हुए एक सुसंगत, कार्यान्वयन योग्य कार्यक्रम पेश करेंगी? यह भी महत्वपूर्ण है कि राजनीतिक नेता देश की चुनौतियों पर कितनी गंभीरता से बात करेंगे और अभियान के दौरान अपनी नीतिगत प्राथमिकताओं को बताएंगे। चुनाव के कम से कम 3 पहलू उल्लेखनीय होंगे। पहला है मतदान प्रतिशत। यह इस बात का एक महत्वपूर्ण संकेतक हो सकता है कि लोग चुनावी प्रक्रिया को कितना स्वतंत्र और खुला मानते हैं। कम मतदान का असर जीतने वाली पार्टी के शासन के जनादेश की ताकत या अन्यथा पर पड़ेगा। पिछले चुनावों में मतदान 51 प्रतिशत (2018), 53 प्रतिशत (2013), 44 प्रतिशत (2008) और 41 प्रतिशत (2002) के बीच रहा है। सबसे कम-2002 में सैन्य शासन के तहत हुए चुनाव में मतदाताओं के विश्वास की कमी को दर्शाता है, जिसे न तो स्वतंत्र और न ही निष्पक्ष माना जाता था। मान लीजिए यदि मतदान का प्रतिशत 44 प्रतिशत, कम हो जाता है, तो जो लोग कम मतदान के आधार पर अल्पसंख्यक वोटों के आधार पर सार्वजनिक कार्यालय सुरक्षित करते हैं, उनकी प्रतिनिधि साख संदिग्ध होगी। आगामी चुनावों में दूसरा प्रमुख कारक युवा वोट होगा। ई.सी.पी. के जुलाई 2023 के आंकड़ों से पता चलता है कि 18 से 35 वर्ष की आयु के बीच के मतदाताओं का 45 प्रतिशत है- 126,980,272 में से 57,095,197 (मतदाताओं के आकार पर नवीनतम अप्रकाशित आंकड़ा लगभग 128 मिलियन है)। यह देश की युवा जनसांख्यिकीय प्रोफाइल को दर्शाता है और युवा मतदाताओं को चुनाव परिणाम निर्धारित करने में एक महत्वपूर्ण कारक बनाता है। ई.सी.पी. के आंकड़े यह भी बताते हैं कि 2018 के चुनाव के बाद से लगभग 22 मिलियन नए मतदाता मतदाता सूची में जोड़े गए हैं। यह मतदाताओं का महत्वपूर्ण 18 प्रतिशत है। अधिकांश युवा, पहली बार मतदान करेंगे, वे किसे वोट देंगे, मगर परिणाम को प्रभावित करेंगे। देखने लायक एक और क्षेत्र पंजाब के युद्धक्षेत्र में अपेक्षित चौतरफा लड़ाई होगी। मुख्य रूप से पी.एम.एल.-नवाज और पी.टी.आई.के बीच, लेकिन पी.पी.पी.(प्रांत में बहुत कमजोर स्थिति में) और नई इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी के साथ। यह कहना जल्दबाजी होगी कि तालमेल और सीट-समायोजन सीधे मुकाबले को कैसे आकार देंगे। लेकिन अगर यह चतुष्कोणीय दौड़ है, तो सीमांत सीटों पर और भी कड़ा मुकाबला होगा। चुनाव में 3 महीने से भी कम समय रह गया है, आशा और चिंता का मिश्रण जनता के मूड को दर्शाता है। आशा है कि चुनाव हाल के वर्षों के बहाव और अव्यवस्था को समाप्त करेगा और पाकिस्तान की चुनौतियों से निपटने के लिए जीतने वाली पार्टी को नया जनादेश प्रदान करेगा।(लेखिका अमरीका, ब्रिटेन और संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान की पूर्व राजदूत हैं।

आहार ही क्यों न औषधि भी हो?

संदीप जोशी

खादर वली ने खोज करते हुए जाना कि गेहूं व चावल में शक्कर बनाने की क्षमता अति तेज है और शारीरिक कसरत कम हो जाने से शरीर का खून संचार से पहले ही गाढ़ा हो जाता है। जब वही जरूरत से ज्यादा गाढ़ा खून अपनी रगों से होता हुआ शरीर के विभिन्न भागों में जाता है तो वहां शक्कर के अंश छोड़ता, जमा करता जाता है। वही जमाव समय के साथ खर्चीलेजीवन को अस्तव्यस्त करने वाली भयंकर बीमारी बन जाते है। अपन न तो डॉक्टर हैं, न ही कोई वैज्ञानिक। भुक्तभोगी जरुर हैं। बस जीवन की तीन संस्थाएं सृष्टि, समाज और शरीर से जीवन यापन करने में लगे हैं। चौदह नवंबर को विश्व डायबिटीज दिवस मनाया गया। सौ साल पहले डायबिटीज के इलाज के लिए इंसुलिन खोजने पर दो डॉक्टर/वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार दिया गया था। पूरी दुनिया में डायबिटीज या मधुमेह या फिर साधारण तौर पर शुगर कही जाने वाली भयंकर स्थिति तेजी से फैल रही है। आज माना जा रहा है की दुनिया के 54 करोड़ मधुमेह मरीजों में से 10 करोड़ से ज्यादा भारत में हैं। और इनके अलावा 15 प्रतिशत भारतीय मधुमेह के मुहाने पर हैं। भारत को दुनिया की मधुमेह राजधानी भी कहा गया। खान-पान और जीवन शैली बदलने भर से शुगर से निजात पाने का उपाय बताने वाले वैज्ञानिक डॉ. खादर वली को इसी साल पद्मश्री से सम्मानित किया गया। मोटा-छोटा अनाज खाने का आग्रह करने वाले डा. खादर वली को मिलटमेन भी कहा जा रहा है। पिछले दिनों दिल्ली के गांधी दर्शन के सत्याग्रह मंडप में मिलट महोत्सव मनाया गया। डॉ. खादर वली लगभग तीस साल से इन छोटे अनाजों पर गहन वैज्ञानिक अध्ययन कर रहे हैं। उनका मानना है कि प्रकृति में विविधता भगवान की ही देन है। भारत में गेहूं और धान के अलावा मोटे-छोटे अनाज भी बकायदा बराबर मात्रा में खाए जाते थे। इसलिए उगाए भी जाते थे। लेकिन पिछले सौ सालों में खान-पान के बाजारीकरण ने सिर्फ गेहूं और चावल में चीनी और नमक के मिश्रण से बने व्यंजन ही हमारी थाली में आने दिए। जिसके कारण एक तरफ तो फायबर या रेशे की मात्रा ज्यादा के अनाज हमारी थाली से निकाल दिए गए। तो दूसरी तरफ हमारे शरीर की पौष्टिकता के लिए जरूरी विविधता कमजोर होती गयी। आज जो 2 में से 1 डायबिटीज और ब्लड-प्रेशर से प्रभावित लोग हैं इसका कारण भी हमारी थाली में विविधता की लगातार होती रही कमी है। ये दोनों जीवनशैली की परिस्थिति अगर लंबे समय तक चलती है तो भयंकर बीमारियों के रूप में उभरती है। ये मिलट यानी पांच पारंपरिक छोटे अनाज जिनमें सबसे ज्यादा फाइबर या रेशा पाया जाता है। ये पांच मिलट हैं कोदो, कंगनी, कुटकी, मुरात और सांवा। इनके अलावा मोटे अनाज जौ, ज्वार, रागी, बाजरा और मक्का के उपयोग भी हैं जो शरीर के लिए जरुरी बताए गए। अब जैसे शरीर को स्वस्थ चलाने के लिए प्रोटीन, विटामिन, वसा और कार्बोहाइड्रेट जरुरी हैं वैसे ही हमारे शरीर की साफ-सफाई के लिए फाइबर या रेशा भी जरुरी है। हमारी थाली में रेशे की कमी के ही कारण आज मोटापे को ही गंभीर बीमारी भी मान लिया गया है। क्योंकि हम जो भी खाते हैं वो अंततः शक्कर या उर्जा में ही बदलता है। शरीर को चलाने के लिए वही आवश्यक है। खादर वली ने खोज करते हुए जाना कि गेहूं व चावल में शक्कर बनाने की क्षमता अति-तेज है और शारीरिक कसरत कम हो जाने से शरीर का खून संचार से पहले ही गाढ़ा हो जाता है। जब वही जरूरत से ज्यादा गाढ़ा खून अपनी रगों से होता हुआ शरीर के विभिन्न भागों में जाता है तो वहां शक्कर के अंश छोड़ता, जमा करता जाता है। वही जमाव समय के साथ खर्चीलेजीवन को अस्तव्यस्त करने वाली भयंकर बीमारी बन जाते है। फायबर या रेशा युक्त छोटे अनाज खून में मिल कर शरीर यंत्रों में पड़े जमाव पर सकारात्मक असर करते हैं। जमाव को साफ करते जाते हैं। डॉ. खादर वली और उनकी डाक्टर बेटी सरला ने तीन दिनों तक मिलट अनाज के अलग-अलग उपयोग-प्रयोग पर लंबी बातचीत की। सवाल सुने, जवाब दिए। इसके अलावा इंदौर से आयीं मेघना शुक्ला द्वारा बनाए स्वादिष्ट मिलट व्यंजनों का भोज भी कराया गया। कंगनी आटे से बने समोसे भी खाए गए। आज खाए जा रहे अनाज पर वैज्ञानिक टिप्पणी करते हुए मिलट पर पारंपरिक ज्ञान-विज्ञान भी दिया। हमारी रसोई में जो भी बने उसमें बाजार की दखलंदाजी नहीं होनी चाहिए। समझाया यह भी कि क्यों मोटे-छोटे अनाज कम-जल व भूमि-उर्वरता के कारण अपने पर्यावरण के लिए जरुरी हैं।

आदिवासी समुदाय के संघर्ष को मिली नई पहचान

विविध संस्कृतियों और परंपराओं की भूमि भारत ने हमेशा देश की आजादी के लिए लड़ने वाले अपने बहादुर योद्धाओं के योगदान और बलिदान का जश्न मनाया है। हालांकि, इन उत्सवों के बीच आदिवासी समुदाय की वीरता और संघर्ष पर अक्सर ध्यान नहीं दिया गया। मगर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आदिवासी समाज और उसकी संस्कृति के प्रति सम्मान और अटूट प्रेम ही है कि उन्होंने भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'जनजातीय गौरव दिवस' के नाम से मनाने की घोषणा करके आदिवासी समाज का पूरे देश में मान बढ़ाया है। आज यह तीसरा वर्ष है, जब हमारा देश पूरे आदर, सम्मान व उत्साह के साथ 'जनजातीय गौरव दिवस' मना रहा है। भगवान बिरसा मुंडा ने हमेशा वन भूमि के साथ-साथ सामाजिक-सांस्कृतिक मूल्यों की रक्षा की और उस संकल्प को पूरा करते हुए अपने साथियों के साथ अंग्रेजों से लड़ते हुए शहादत दी। ऐसे ही, देश के विभिन्न हिस्सों में रह रहे आदिवासी लोगों ने अंग्रेजों को कड़ी टक्कर दी। शायद अब भी बहुत कम लोग जानते हैं कि अंग्रेजों को सबसे प्रारंभिक और सशक्त चुनौती आदिवासी समाज से ही मिलनी शुरू हुई थी। चाहे तिलका मांझी के नेतृत्व में पहाड़िया आंदोलन हो, बुधु भगत के नेतृत्व में चला 'लरका आंदोलन' हो, सिद्धू मुर्मू और कान्हू मुर्मू के नेतृत्व में संथाल हूल हो, रानी गाइदिन्ल्यू के नेतृत्व में नगा आंदोलन हो, अल्लूरी सीताराम राजू का रंपा आंदोलन हो, कोया जनजाति का विद्रोह हो, गोविंद गुरु का 'भगत' आंदोलन हो, अंग्रेजों के विरुद्ध जनजाति समाज का अपना व्यापक, विस्तृत व विशाल योगदान रहा है। अपनी माटी के प्रति धरती आबा के संघर्ष की ही पृष्ठभूमि थी कि अंग्रेजों को छोटानागपुर काश्तकारी (सीएनटी) कानून बनाने के लिए बाध्य होना पड़ा, जिसके अधीन परंपरागत वन अधिकार भुईंहरी खूंट के नाम से निहित है। वर्षों बाद देश की संसद ने माना कि भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष के बल पर बनाया गया कानून देश भर के जनजातीय क्षेत्रों के लिए लागू किया जाना चाहिए और उसे ऐतिहासिक भूल के रूप में स्वीकार करते हुए वन अधिकार कानून बनाया गया। भगवान बिरसा मुंडा के संघर्ष का एक अहम पहलू यह था कि उन्होंने यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया कि उनके अपने समाज की स्वशासन व्यवस्था पर किसी भी प्रकार का बाह्य हस्तक्षेप न हो। इस कारण 'पेसा' जैसे कानून बने, जिससे यह सुनिश्चित हो सका कि उनकी परंपरागत व्यवस्था में कोई हस्तक्षेप न हो। भगवान बिरसा मुंडा के अनुरूप जनजातीय समाज फिर से स्थापित हो, यह चुनौती भरा कार्य दायित्व के रूप में हमें लेना पड़ेगा, साथ ही अपनी जीवंत संस्कृति पर गर्व करते हुए उसे बनाए रखना पड़ेगा। वन अधिकार अधिनियम सामाजिक व्यवस्था के साथ उसे जोड़कर पुनर्स्थापित करने पर जोर देता है। यह कानून एकाधिकार को ही सुनिश्चित नहीं करता, बल्कि मानव समुदाय को प्राकृतिक दृष्टि से समानुपातिक सहभागिता के रूप में देखता है। जनजातीय गौरव दिवस हाशिये पर मौजूद इन समूहों के कल्याण और सशक्तीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। विभिन्न नीतियों, कार्यक्रमों और कानूनों के माध्यम से केंद्र सरकार का लक्ष्य आदिवासी समाज का उत्थान करना और ऐतिहासिक अन्याय को दूर करना है। सुरक्षा के प्रावधानों के साथ उनके अधिकारों की रक्षा करने और समावेशिता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वन अधिकार अधिनियम, पेसा और अन्य कानूनों ने आदिवासी समुदायों के अधिकारों को और मजबूत किया है। ट्राइफेड और एनएसटीएफडीसी जैसे संस्थानों ने आदिवासी समुदायों को आर्थिक रूप से आगे बढ़ने और अपनी सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए सहायता और अवसर प्रदान किए हैं।

आज का राशिफल

मेष
वृषभ
मिथुन
कर्क
सिंह
कन्या
तुला
वृश्चिक
धनु
मकर
कुंभ
मीन

सुडोकू पहेली क्रमांक- 5045

4		6		2				
	8		4				9	3
3				8	5			2
7		9						8
	5			7			4	
6						7		1
9			2	4				5
2	6				8		7	
				3		1		9

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 5044

1	9	8	7	5	6	4	3	2
3	2	6	1	9	4	8	5	7
5	4	7	3	2	8	1	6	9
2	6	9	5	1	7	3	8	4
7	1	3	4	8	9	5	2	6
4	8	5	6	3	2	7	9	1
9	3	2	8	4	1	6	7	5
6	5	4	9	7	3	2	1	8
8	7	1	2	6	5	9	4	3

वर्ग पहेली 5060

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह तीन तरफ से बांग्लादेश से घिरा राज्य है (3)
3. यह मालदीव द्वीप का राष्ट्रीय वृक्ष है (4)
6. पिता का भाई (2)
7. गंतव्य स्थान, मुकाम (2)
8. दूरी नापने की एक प्राचीन इकाई जो 8 फर्लांग के बराबर होती थी (2)
9. भय या शर्म के कारण कांप उठना (4)
11. आक्रमण करने वाला (3)
15. लिया जाने योग्य, [illegible] (3)
16. उसी जगह, उसी स्थिति पर (2)
18. कर्ण छेदन (5)
21. गर्म धातु से शरीर पर निशान लगाना, बंदूक आदि छोड़ना, संतप्त करना (3)
23. सराहना, प्रशंसा, [illegible] (2)
24. प्रत्येक पक्ष की तीसरी तिथि (2)
25. पहाड़ी का समतल (2)

ऊपर से नीचे
1. भूत, भविष्य और वर्तमान ये तीनों काल (3)
2. नाम लेकर बुलाना, फरियाद करना (4)
3. रिश्ता, संबंध (2)
4. यमुना नदी को यह भी कहा जाता है (4)
5. चुनौती देना, हुंकार, ललकारना (4)
7. शरण देना, रक्षा करना, शरण में लेना (5)
10. मां की बहन (2)
12. पाठशाला, महाविद्यालय (4)
13. अस्तित्व, विद्यमानता, मौजूदगी, हस्ती (3)
14. शरतचंद्र चटर्जी इस कृति पर तीन फिल्मों का निर्माण हुआ है जिनके नायक क्रमशः के.एल.सहगल, दिलीप कुमार व शाहरुख खान थे (4)
17. [illegible] जो प्रायः साग, दाल आदि में बघारने तक इस्तेमाल होती है (2)
19. किला, दुर्ग, [illegible], [illegible] (2)
20. देखने वाला, दर्शक (उर्दू) (3)
22. बेटी के बेटे को यह कहा जाता है (2)

वर्ग पहेली 5059 का हल

ज	म्मू	क	श्मी	र		आ	ह
य		री		ह	य	शा	ला
कि	ता	ब	खा	ना			ह
श	स	क			या		ल
न		री	ता	फा	रि	या	
	सु	ब	ल		स	म	ता
गु	रू		मे	ष		च	न
	र	ह	ल		मो	ती	

मनोज शुक्ला ने खेड़ापति मंदिर में पूजा अर्चना कर लिया आशीर्वाद

भोपाल निप्र। नरेला विधनासभा कांग्रेस प्रत्यशी मनोज शुक्ला ने मतदान बाद शनिवार सुबह श्री खेड़ापति हनुमान मंदिर छोला में पूजन अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त कर मुख्य कांग्रेस कार्यालय अशोका गार्डन में कार्यकर्ताओं के साथ चुनाव मतदान समीक्षा की।

15 वनसेवा पदों के लिए मुख्य परीक्षा 10 दिसंबर को

25 नवंबर बाद तय होंगे केंद्र

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग ने अगले महीने राज्य वनसेवा (2022) की मुख्य परीक्षा रखी है। दस दिसंबर को पेपर करवाया जाएगा। इसके लिए परीक्षा केंद्र तय होना बाकी है। यह काम अगले सात दिनों में पूरा किया जाएगा। फिर प्रारंभिक परीक्षा में चयनित अभ्यार्थियों को रोल नंबर जारी किए जाएंगे। अधिकारियों के मुताबिक, 25 नवंबर तक परीक्षा केंद्र बनाएंगे। परीक्षा के माध्यम से पंद्रह पदों पर भर्तियां की जाएगी।

दरअसल राज्य वनसेवा परीक्षा-2022 में महज 15 पद घोषित किए गए थे। ये सभी पद परियोजना क्षेत्रपाल के रखे है। हैं, जबकि दोनों उच्च श्रेणी यानी सहायक वन संरक्षक और वन क्षेत्रपाल (रेंजर) का एक भी पद घोषित नहीं किया था। परीक्षा को लेकर आयोग ने दिसंबर 2022 में विज्ञापन जारी किया था। प्रारंभिक परीक्षा मई में करवाई गई। रिजल्ट कई हफ्तों तक आयोग ने रोककर रखा, क्योंकि अधिकारियों को लगा कि विभाग पद बढ़ा सकता है। पर जवाब नहीं मिलने के बाद आयोग ने रिजल्ट जारी किया, जिसमें चयनित अभ्यर्थी अब दस दिसंबर को होने वाली वनसेवा मुख्य परीक्षा दे सकेंगे। मगर इन्हें एक ही पद पर नियुक्तियां मिलेगी।

2023 की परीक्षा 17 दिसंबर को

राज्य सेवा और वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा 2023 की तारीख भी घोषित हो चुकी है। 17 दिसंबर को प्रदेशभर में परीक्षा होगी। राज्य सेवा के माध्यम से विभिन्न विभागों में 229 पद भरें जाएंगे। जबकि वन सेवा से सहायक वन संरक्षक और वन क्षेत्रपाल के पदों पर भर्तियां होगी। अगले कुछ दिनों में परीक्षा केंद्र तय होने के बाद रोलनंबर जारी होंगे।

मकान मालिक पर 304-ए का मामला दर्ज

छत का छज्जा गिरने से 1 साल के बच्चे की हुई थी मौत

भोपाल । करोंद में जांच के बाद मकान मालिक पर 304 ए सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले में छत का छज्जा गिरने से अगस्त में हुई थी 1 साल के बच्चे की मौत। जांच में पाया गया जर्जर मकान किराये से क्यों दिया।

थाना निशातपुरा से मिली जानकारी के अनुसार 08 अगस्त 2023 को बारिश के दौरान कृषक नगर करोंद में अपने 1 साल के पोते यश के साथ छत के नीचे सो रही दादी के ऊपर छत का छज्जा गिर गया था। इसमें यश की मौके पर ही मौत हो गयी थी। उसका पिता जो करोंद स्थित अटल मल्टी सिटी अस्पताल में एंबुलेंस का ड्राइवर है। जैसे ही उसे पता लगा तो वह तत्काल उसे अस्पताल लेकर पहुंचा था। जहां डॉक्टरों ने बच्चों को मृत घोषित कर दिया था। पुलिस ने अस्पताल की सूचना पर मर्ग क्रमांक 40 दर्ज कर मामला जांच में लिया था। जांच में टेक्निकल टीम द्वारा पाया गया कि मकान मालिक ने जर्जर मकान किराए से रहने मृतक बच्चे के परिजनों को क्यों दिया। इस कारण वह घटना में दोषी है। पुलिस ने टेक्निकल टीम की जांच के बाद आरोपी रामनारायण साहू उम्र 48 निवासी रतन कॉलोनी करोंद व महेश साहू उम्र 49 निवासी करोंद पर अपराध क्रमांक 1004 भादवी की धारा 337, 304 ए, 34 के तहत 18 नवंबर दोपहर 2 बजे दर्ज किया है।

पन्द्रह दिन त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में रहेगा स्ट्रॉन्ग रूम

पैरामिलिट्री फोर्स और जिला पुलिस के 200 जवान तैनात

भोपाल । विधानसभा चुनाव 2023 के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद अब ईवीएम को त्रिस्तरीय कड़े सुरक्षा घेरे वाले स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है। भोपाल विधानसभा क्षेत्र की पोलिंग बूथ से लाकर सभी ईवीएम को अरेरा हिल्स स्थित पुरानी जेल के परिसर, में रखा गया है। पैरामिलिट्री फोर्स और जिला पुलिस के 200 जवानों के साथ ही सीसीटीवी से स्ट्रॉन्ग रूम पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

मतगणना वाले दिन तीन दिसंबर यानी आगामी 15 दिन तक ईवीएम स्ट्रांग रूम में कड़ी सुरक्षा में रहेंगी। सुरक्षा के मद्देनजर स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर और बाहर 200 जवान तैनात किए गए हैं। चुनाव पर्यवेक्षक और निर्वाचन अधिकारी भी लगातार सुरक्षा व्यवस्था जांचने के लिए औचक निरीक्षण कर रहे हैं। मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद 17 नवंबर को देर रात तक ईवीएम को स्ट्रॉन्ग रूम में रखने की प्रक्रिया चलती रही। 18 नवंबर की सुबह ईवीएम से भरा आखिरी ट्रक भी स्ट्रॉन्ग रूम पहुंचा और मशीनों को सुरक्षित रखवा दिया गया।

किसी को जाने की इजाजत नहीं: स्ट्रॉन्ग रूम एरिया में किसी को जाने की इजाजत नहीं है। तीन दिसंबर को सभी ईवीएम को पुराने जेल में ही बने मतगणना केंद्र में खोला जाएगा। मतगणना होने पर जिला की सात विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़े सभी उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला होगा।

8-8 घंटे ड्यूटी दे रहे जवान

भोपाल के पुलिस कमिशनर हरीनारायण चारी मिश्र ने बताया कि विधानसभा चुनाव के लिए मतदान प्रक्रिया संपन्न होने के बाद ईवीएम को कड़ी सुरक्षा के बीच स्ट्रॉन्ग रूम में रखा गया है। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर त्रिस्तरीय सुरक्षा घेरे में सुरक्षा बलों के जवान तैनात हैं। स्ट्रॉन्ग रूम की सुरक्षा पैरामिलिट्री के जवान, दो राजपत्रक अधिकारियों सहित स्थानीय बटालियन पुलिस के जवान संभाल रहे हैं। एक स्ट्रॉन्ग रूम के अंदर और बाहर 200 जवान तैनात है जो 8-8 घंटे की राउंड अ क्लॉक ड्यूटी दे रहे हैं।

रात 3 बजे तक जमा होती रही मतदान सामग्री: भोपाल की सातों विधानसभा क्षेत्रों में वोटिंग कराने के बाद मतदान दल रात 3 बजे तक मतदान सामग्री जमा कराते रहे। इसके बाद ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाने लगी। यह काम शनिवार सुबह तक चलता रहा। स्ट्रॉन्ग रूम के बाहर सुरक्षा का कड़ा घेरा है। वोटिंग खत्म होने के बाद रात 8 बजे से मतदान लाल परेड ग्राउंड और एमवीएम ग्राउंड लौटने लगे थे। यह सिलसिला रात 3 बजे तक चलता रहा। मतदान सामग्री जमा कराने के लिए दोनों ही ग्राउंड पर विधानसभा वार व्यवस्था की गई थी। ताकि, मतदान दलों को किसी प्रकार की दिक्कतें न हो। सामग्री जमा कराने के बाद मतदान कर्मचारी घरों को लौट गए।

रात में ही ईवीएम स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाने लगी

मतदान सामग्री जमा होने के बाद रात साढ़े 3 बजे से ईवीएम पुरानी जेल स्थित स्ट्रॉन्ग रूम में रखी जाने लगी। तीन विधानसभा की ईवीएम सुबह 7 बजे तक रख दी गई। वहीं, बाकी विधानसभा की ईवीएम 10 बजे बाद तक रखी जाने लगी। पूरे समय कलेक्टर आशीष सिंह, निगम कमिश्नर नोबल फ्रैंक ए., एडीएम प्रकाश सिंह चौहान, उप निर्वाचन अधिकारी रविशंकर राय आदि अफसर मौजूद रहे।

भाजपा ने अटेर के 16 मतदान केंद्रों पर पुर्नमतदान कराने की चुनाव आयोग से की मांग

भोपाल । भाजपा ने मुख्य चुनाव आयुक्त, नई दिल्ली को भिंड जिले की अटेर विधानसभा क्षेत्र के 16 मतदान केंद्रों पर पुनःमतदान कराए जाने की मांग की है। भाजपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने इस संबंध में मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को भी ज्ञापन सौंपा है। भिंड जिले के अटेर से भाजपा प्रत्याशी डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने मुख्य चुनाव आयुक्त नई दिल्ली को 16 मतदान केंद्रों की सूची भेजकर वहां पुनः मतदान कराए जाने की मांग की है।

भाजपा के एक प्रतिनिधि मंडल ने मध्यप्रदेश के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी को सौंपे ज्ञापन में कहा है कि 17 नवंबर को मध्यप्रदेश विधानसभा के मतदान संपन्न हुए हैं। भिंड जिले के अटेर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 11,12 खड़ित, 17, 41 निवारी, 48 बड़पुरा, 49 बड़पुरी, 55, 67, 69, 70, 71 किशुपुरा, 103 मनेपुरा, 169 पीथमपुरा, 170, 171, 211 बीसलपुरा में पदस्थ पीठासीन अधिकारियों व उनके दल द्वारा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ मिलीभगत कर चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित किया गया।

उक्त मतदान केंद्रों पर बूथ कैप्चरिंग की घटना हुई, जिसकी शिकायत भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा तत्काल चुनाव आयोग को की गई थी, पर समुचित कार्यवाही नहीं हुई। इन शिकायतों पर संबंधित मतदान केंद्रों के पीठासीन अधिकारियों ने भी निराकरण नहीं किया और आम मतदाता को मतदान केंद्र के बाहर ही हतोत्साहित कर मत प्रयोग करने से वंचित रखा गया। यह कार्य लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 128, 129, 135 (क) के अंतर्गत आपराधिक कृत्य है व संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। कई मतदान केंद्रों पर पुलिस बल की कमी रही, शिकायत पर उचित कार्रवाई नहीं की गई।

एक मतदान केंद्र में मतदाता द्वारा एक से अधिक बार अपना मत ईवीएम में दर्ज कराया गया, जिसका वीडियो भी है, कई मतदान केंद्रों पर पीठासीन अधिकारियों को भी प्रभाव में रखकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बूथ कैप्चरिंग की है। ऐसी स्थिति में उक्त सभी मतदान केंद्रों के मतदान को शून्य घोषित कर पुनः मतदान हेतु अधिसूचना जारी की जाए। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधि मंडल में भारतीय जनता पार्टी विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक मनोज द्विवेदी और प्रदेश सह संयोजक अशोक विश्वकर्मा व अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

वीरांगना लक्ष्मीबाई के देश में महिलाओं पर हो रहे अत्याचार

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। दशपुर जागृति जिला इकाई मंदसौर द्वारा 19 नवंबर को प्रातः महारानी लक्ष्मीबाई चौराहे पर पहुंचकर संगठन के समस्त कार्यकर्ता द्वारा माल्यार्पण करते हुए लक्ष्मीबाई का यह बलिदान याद करेगा हिंदुस्तान नारो के साथ ही खूब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी। मंदसौर की पहचान क्रांतिकारियों के नाम दशपुर जागृति संगठन के यह प्रयास आने वाले समय में बड़े परिवर्तन लाएंगे यह बात संगठन के अध्यक्ष डॉ देवेंद्र पौराणिक ने कहा कही। उन्होंने कहा कि महारानी लक्ष्मी बाई के देश में महिलाओं पर बढ़ते हुए अत्याचार से यह सिद्ध होता है कि अभी महिलाओं की सुरक्षा के लिए हमें और कठोर कदम उठाने होंगे, उसके लिए जो भी अत्याचार करता है उसे कठोर दंड का प्रावधान किया जाना चाहिए बच्चों को क्रांतिकारियों के साथ ही उनके ड्रेस पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए अश्लील वातावरण व्याप्त करने वाली पिक्चरों को रोककर क्रांतिकारियों के ऊपर फिल्में बनाकर जागृति लानी होगी। संगठन के कार्यकारी अध्यक्ष हरिशंकर शर्मा ने कहा कि राष्ट्र को भी महिलाओं को और अधिकार देने की जरूरत है संगठन के उपाध्यक्ष बी एस सिसोदिया ने भी संगठन की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संगठन की सतत मांग के कारण लक्ष्मीबाई चौराहे की स्थापना हुई है। संगठन के संरक्षक प्रतिमा के संरक्षक रविंद्र पांडे द्वारा यह संकल्प लिया गया है कि चौराहे से भी मांग की जाएगी की इस चौराहे को सुंदर बनाने के लिए समस्त आसपास के दुकानदार भी इस कार्यक्रम में भागीदारी करने के लिए अगले साल आव्हान किया जाएगा। संगठन के वरिष्ठ कोषाध्यक्ष आरसी पांडे, अरुण गोड ने कहा कि अगर देश के अंदर महिलाओं को प्रत्येक क्षेत्र में भागीदारी है संपूर्ण राष्ट्र यदि महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए कार्य करें तो आने वाला समय भारत का और उज्जवल होगा। क्योंकि महिलाओं के अंदर राष्ट्र प्रेम की भावना पुरुष की तुलना में ज्यादा होती है यह लक्ष्मीबाई ने सिद्ध किया है। सुनील बंसल द्वारा संगठन के कार्यों को और प्रसारित करने के लिए

कहा कि संगठन तेजी से पूरे देश के अंदर कार्य करेगा। भ्रष्टाचार को जड़ से उखाड़ फेंकने के लिए संगठन सतत संकल्प लेता है कि लक्ष्मीबाई वीरांगना ने यह सिद्ध किया है कि अपने कर्तव्यों पर चलकर हुआ देश में जो भी नुकसान पहुंचाते हैं उनके खिलाफ आंदोलन खड़ा किया जाना चाहिए और राजनीति की शुद्धता के लिए भी संगठन कार्य करेगा। संगठन के वरिष्ठ कन्हैयालाल सोनगरा व्द बंसीलाल टाक मैं शपथ ली कि हम इस संगठन के प्रति जवाबदारी के साथ कार्य करते रहेंगे। सुनील बंसल बीमारी के तुरंत बाद लक्ष्मीबाई चौराहे पर पहुंचकर उन्होंने भी पुष्पांजलि अर्पित करी। लक्ष्मीबाई जैसे महान वीरांगना का यह चौराहा और यह ब्रिज आने वाले समय बहुत सुंदर बनेगा और इसकी सुंदरता के साथ ही लक्ष्मीबाई चौराहे का भी सुंदरता बनाने में नगर पालिका से मांग की जाएगी। प्रतिमा पर लाइट के साथ समय-समय पर धुलाई का कार्य भी किया जाएगा। नगर पालिका को धन्यवाद व्यापित करते हैं कि संगठन की प्रत्येक मांग पत्र पर नगर पालिका ने पूरा सहयोग प्रदान किया है। संगठन के संयोजक सत्येंद्र सिंह सोम कहा कि दशपुर जागृति संगठन देश का पहला संगठन है जिसने क्रांतिकारियो की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर पहुंचा है। आज पूरा राष्ट्र क्रांतिकारियों की बात करता है यह मंदसौर की भूमि से संगठन 12 साल की यात्रा के कारण आने वाले समय में देश के संसद भवन में क्रांतिकारियों की तस्वीर सांसद महोदय द्वारा पहुंचाई जाएगी जो संसद भवन में लगेगी। संसद भवन की तस्वीर के अंदर क्रांतिकारियों का स्थान होना चाहिए। संगठन ने लक्ष्मीबाई चौराहा, उधम सिंह चौराहा, चंद्रशेखर आजाद प्रतिमा स्थल, हेमू कलानी के साथ ही आने वाले समय में नगर पालिका के द्वारा नेताजी सुभाष चंद्र बोस के स्टैचू की मांग भी संगठन में नवीन सदस्य महेश जी को लिया गया। यह जानकारी सत्येंद्र सिंह सोम द्वारा दी गई।

भारतीय अर्थव्यवस्था का ऐतिहासिक शिखर, जीडीपी ने पहली बार 4 ट्रिलियन डालर को किया पार

नई दिल्ली, 19 नवम्बर। भारतीय अर्थव्यवस्था ने रविवार (19 नवंबर) को बड़ी उपलब्धि हासिल की है। इंडियन इकोनॉकी ने ऐतिहासिक शिखर पर पहुंचते हुए पहली बार जीडीपी ने 4 मिलियन डॉलर को छूआ है। यह लैंडमार्क भारत के मजबूत आर्थिक ट्राजेक्टरी और उत्थान को दर्शाता है। यह दुनिया में तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति को रेखांकित करती है। अपनी नवीनतम रिपोर्ट में, एसएंडपी ग्लोबल ने मध्यम अवधि में भारत के लिए पर्याप्त आर्थिक विकास का अनुमान लगाया है। रिपोर्ट में FY24 और FY26 के बीच 6 से 7।1 प्रतिशत तक वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद विस्तार की कल्पना की गई है। रिपोर्ट में भारत की आर्थिक वृद्धि में निरंतर गति पर जोर दिया गया है जिसमें 2024-2026 के दौरान 6-7।1 प्रतिशत के बीच लगातार वार्षिक सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि की भविष्यवाणी की गई है। इसके अलावा एसएंडपी ग्लोबल को बैंकिंग क्षेत्र के भीतर एनपीए में कमी की उम्मीद है। वित्त वर्ष 2025 के समापन तक ग्रास एडवांस के 3-3।5 प्रतिशत तक गिरावट का अनुमान है।

राजस्थान राज्य की सीमा से लगे गांव में 23 से 25 नवंबर तक शराब ब्रिकी पर प्रतिबंध

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने बताया गया कि राजस्थान राज्य में विधानसभा निर्वाचन 2023 के दौरान 3 किलो मीटर की परिधि में (23 नवंबर को सायं 6 बजे से 25 नवंबर 2023 को मतदान समाप्ति तक) शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में शराब की बिक्री पर प्रतिबंध रहेगा।

3 दिसम्बर को रहेगा शुष्क दिवस

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत मतगणना को दृष्टिगत रखते हुए कलेक्टर एवं जिला दंडाधिकारी श्री दिलीप कुमार यादव ने 3 दिसम्बर 2023 को संपूर्ण दिवस के लिए शुष्क दिवस घोषित किया है। शुष्क दिवस अवधि के दौरान जिले की समस्त कम्पोजिट मदिरा दुकानें, मदिरा गोदाम, रेस्टोरेंट बार (एफ. एल.-2), पर्यटन बार (एफ.एल.-2-कक) होटल बार (एफ. एल -3), वाईन आउटलेट एवं देशी मदिरा स्टोरेज भंडागार को पूर्णत: बंद रखा जाकार क्रय- विक्रय प्रतिबंधित किया जाता है।

कलेक्टर ने किया मतगणना केंद्र एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण

नीमच, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री दिनेश जैन ने रविवार को विधानसभा निर्वाचन 2023 के तहत होने वाली मतगणना के लिए स्थापित मतगणना केंद्र शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नीमच के परिसर एवं स्ट्रांग रूम परिसर का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।कलेक्टर ने सीसीटीवी के माध्यम से स्ट्रांग रूम परिसर की जा रही निगरानी एवं सुरक्षा व्यवस्था कार्य का जायजा लिया और संबंधितों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस मौके पर एसडीएम डॉक्टर ममता खेड़े तहसीलदार श्री संजय मालवीय एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

इंदिरा ने देश का पूरे विश्व में गौरव बढ़ाया, बलिदान दिया-रातड़िया

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। भारत की पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व.श्रीमती इंदिरा गांधी की जयंती के अवसर पर मंदसौर शहर ब्लॉक ने शहर क्षेत्र के अंबाबाड़ी में कार्यक्रम का आयोजन किया। सर्वप्रथम पूर्व प्रधानमंत्री स्व.श्रीमती इंदिरा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर सभी कांग्रेस जन ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रातडिया ने स्व. श्रीमती इंदिरा गांधी के किए गए कार्यों पर प्रकाश डालते हुए संबोधन में कहा कि इंदिरा जी के पूरे परिवार ने देश की आजादी में योगदान दिया। 1966 से 71 के बीच ऐतिहासिक निर्णय लिए। देश में आर्थिक क्रांति आए इसके लिए कई ऐतिहासिक निर्णय उनके द्वारा लिए जिनमें 1969 में बैंकों का राष्ट्रीयकरण किया। देश के विखंडन करने

में लगी शक्तियों को कमजोर करने के लिए इमरजेंसी लगाई गई। अपने परिवार से त्याग व बलिदान की शिक्षा मिली। इंदिरा जी ने देश हीं नहीं विश्व में देश का गौरव बढ़ाया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष कांतिलाल राठौर, शहर कार्यवाहक अध्यक्ष अंबालाल हिंगोरिया, सुनील गुप्ता ने भी अपने विचार रखें। इस अवसर पर कार्यवाहक ब्लॉक अध्यक्ष सलीम खान जिला कांग्रेस पदाधिकारी गण में सर्वश्री विनोद शर्मा, हाजी रशिद खान, राजनारायण लाड़, मुर्तजा घड़ियाली, विजय सिंह सिसोदिया, माजिद चौधरी,मुस्तफा कपाड़िया वहीद जेदि, रमेश सिंगार , रितेश गुप्ता, सागर अंसारी, शिव रमन सिंह पवार, दशरथ सिंह राठौर,शुभम कुमावत, सरफराज अली, भाविक संचेती, कचरमल जटीया, आमीन खान, अयाज अहमद ,अशोक देवड़ा, शेख बशीरुद्दीन, नमन मोदी, शिव शंकर सोलंकी, रियाज अहमद, महेश रतनावत आदि इस अवसर पर उपस्थित थे कार्यक्रम का संचालन शहर मंडलम अध्यक्ष विश्वनाथ सोनी ने किया,आभार सेवादल जिला अध्यक्ष दिलीप देवड़ा ने माना।

सुरक्षा उपकरण के अभाव में विद्युत कर्मचारी रोज भिड़ते हैं मौत से

न हाथ में दस्ताने, ना ही सिर पर हेलमेट, खुद की परवाह छोड़ करते है जिला रोशन

मंदसौर, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। विद्युत कंपनी शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को बनाए रखने वाले जिलेभर के करीब 500 से अधिक लाइनमेन व विद्युत कर्मियों की जान से खिलवाड़ कर रही है। विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने, फॉल्ट ठीक करने सहित अन्य कार्यों के लिए तैनात विद्युत कर्मचारियों को सुरक्षा उपकरण तक नहीं दिए जा रहे हैं। फॉल्ट होने या अन्य खराबी होने पर डीपी व बिजली के खंभे पर चढ़कर कार्य करने वाले कर्मचारी जान का जोखिम उठा रहे हैं। बिना सुरक्षा उपकरणों के खंभों पर चढने के कारण अब तक दर्जनों हादसे भी हो चुके हैं। बावजूद अधिकारी सुरक्षा उपकरणों के प्रति लापरवाह बने हुए हैं।

मप्र पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी में लाइनमेन और अन्य स्टाफ की कमी के चलते काम के बोझ के बावजूद लाइनमेन सहित लगभग 500 से अधिक कर्मचारी ही पूरी व्यवस्था संभाल रहे हैं। इनमें ठेकेदार के प्रायवेट कर्मचारी भी शामिल है। जिले को रोशन रखने वाले इन कर्मचारियों को रोज मौत से भिड़ना पड़ रहा है। खंभे पर चढक़र बिजली सुधारने में लगे कर्मचारियों की जान-जोखिम में ही रहती है। सुरक्षा प्रबंध नहीं मिल रहे हैं। खंभे पर चढक़र काम करने वाले कर्मचारियों के पास न तो हैंड ग्लव्ज हैं और न ही हेलमेट। इसके अलावा अन्य सुरक्षा उपकरण भी नहीं है। कुछ कर्मचारी ही बताते हैं कि कई बार सुरक्षा उपकरण की मांग की, लेकिन जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं देते। बिजली का सुधार कार्य के दौरान स्वयं और साथ में मौजूद ठेके दार के कर्मचारियों की सुरक्षा का भी ध्यान रखना पड़ रहा है। जिले में लगभग 250 लाइन कर्मचारी है एवं लगभग 300 से अधिक ठेकेदार के कर्मचारी है।

विद्युत व्यवस्था को हाईटेक करने के लिए ऑनलाइन शिकायत सुनने, निवारण करने, फोटो रीडिंग के साथ ही कई नई व्यवस्थाएं शुरू की गई हैं। 10 किमी दूरी पर रहने वाले फीडर भी अब पांच-पांच किमी में कर दिए हैं। लेकिन स्टाफ नहीं बढ़ा है। इस कारण नियमित कर्मचारियों को अधिक काम करना पड़ रहा है। रात में फॉल्ट होने पर कई बार तो कर्मचारी भी समय पर पहुंच ही नहीं पाते हैं। स्टाफ की कमी के कारण आवश्यक साधन ले जाने में भी परेशानी होती है।

हादसे के बाद नहीं मिलता सहयोग...

विद्युत कर्मचारी प्रतिदिन किन्हीं कारणों से खराब हो चुकी बिजली को सुचारु करने के लिए बिजली के तारों की मरम्मत करते हैं। इन कर्मचारियों के पास कोई भी सुरक्षा उपकरण नहीं होते। कई बार बिजली सुधार कार्य के दौरान कई कर्मचारियों की मौत भी हो चुकी है। बिजली के कर्मचारियों के झुलसने की अनेकों घटनाएं घटित हो चुकी हैं। लेकिन इन घटनाओं को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। ग्राम कोटड़ाबुजुर्ग में 29 जुलाई 18 को बिजली सुधारने के दौरान करंट लगने से घायल हुए बिजली कर्मचारी बंशीलाल विश्वकर्मा के इलाज पर अब तक नौ लाख से अधिक खर्च हो चुके है। परिजनों के अनुसार कंपनी की तरफ कोई सहयोग तक नहीं मिला।

कर्मियों के पास यह होना चाहिए उपकरण...

नियमानुसार कर्मचारियों के पास फॉल्ट को सही करने के समय 'सेफ्टी बेल्ट, रस्सा, अर्थिंग चेन, जूते और दस्ताना' तथा हेलमेट जरूरी हैं।। ग्रामीण क्षेत्र के उपकेंद्रों पर सीढ़ी भी उपलब्ध नहीं है। कर्मचारियों के पास न तो अव्वल दर्जे के प्लास हैं और न ही सेफ्टी बेल्ट, रस्सा और सीढ़ी। ऐसे में उन्हें फॉल्ट ठीक करने में भी परेशानी होती है। मेंटेनेंस के दौरान कुछ कर्मचारियों ने बताया कि सुरक्षा उपकरण की मांग तो हमने कई बार की है लेकिन उपकरण नहीं दिए जाते है। काम करते समय हम सतर्क रहते हैं।

समय से पहले शुरु कर दी बिजली सप्लाय, विद्युतकर्मी को लगा करंट

रविवार को शामगढ़क्षेत्र के ग्राम बापच्या में मप्रविविकं की बड़ी लापरवाही सामने आई है। यहां ट्रांसफार्मर का काम कर रहे कर्मचारी ने परमिट लेकर काम शुरु किया लेकिन, काम करते समय ही बिजली सप्लाय शुरु कर दी गई जिससे कर्मचारी को करंट लगा। इधर आक्रोशित लोग ग्रिड पर पहुंचे और घेराव किया। कर्मचारियों को अंदर रखकर पुलिस ने लोगों से बात की। एसडीओपी ने लोगों को समझाइश दी। इधर घायल का उपचार चल रहा है। मामला शामगढ़ के बापच्या का है।

मिली जानकारी के अनुसार घनश्याम पिता कालूराम निवासी बापच्या नदी के पास चल रहे ट्रांसफार्मर पर काम कर रहे थे। इस दौरान परमिट मतलब समय 11 बजे तक का लिया गया था। इसके अनुसार 11 बजे तक बिजली बंद रखना थी। इसके बाद सप्लाय शुरु करना थी। लेकिन, बताया जाता है कि ग्रिड पर इस संबंध में रजिस्टर में इंट्री नहीं थी। जब ड्यूटी चेंज हुई तो दूसरे कर्मचारी ने 10 बजकर 40 मिनट पर ही बिजली सप्लाय शुरु कर दी। इधर घायल को मंदसौर अस्पताल लाया गया। वहीं आक्रोशित लोगों ने ग्रिड पर पहुंचकर घेराव किया। इसके पहले ही पुलिस वहां पहुंच गई। कर्मचारियों को अंदर सुरक्षित रखा गया। लोगों से बात कर समझाइश दी गई।

एट लेन से नदी में गिरी तस्करों की कार

बाहर निकाल डिक्की खोली तो मिला डोडाचूरा

रतलाम, 19 नवंबर गुरु एक्सप्रेस। जिले से गुजरात, पंजाब, हरियाणा व मध्यप्रदेश के अन्य नगरों में मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले महू-नीमच हाईवे, जावरा-आगर हाईवे, सैलाना-बाजना आदि मार्गों से करते रहे हैं। अब वे हाल ही में बने मुंबई-दिल्ली एट लेन (एक्सप्रेस-वे) से भी तस्करी कर रहे हैं। रविवार को जिले के नामली थाना क्षेत्र के ग्राम चंदोरिया के पास एक्सप्रेस-वे पर पुलिया से नीचे पानी में गिरी कार को पुलिस ने जब बाहर निकालकर खोला तो उसमें डोडाचूरा से भरे छह बोरे मिले। इन बोरों में एक क्विंटल से अधिक डोडाचूरा मिला।

जानकारी के अनुसार हाईवे के नौगांवा कला व धामनोद के बीच ग्राम चंदोरिया के पास स्थित पुलिया से कार करीब 15 फीट नीचे पानी में जा गिरी। ड्राइवर कार से निकलकर भाग निकला। एक्सप्रेस-वे पर लगे सीसीटीवी कैमरे में जब कर्मचारियों ने सुबह 9.34 बजे कार पुलिया से नीची गिरी देखी तो पुलिस को सूचना दी। नामली थाने से पुलिस दल मौके पर पहुंचा तथा वरिष्ठ अधिकारियों को सूचना दी। पहले माना जा रहा था कि कार में कोई यात्री होगा, लेकिन कार में कोई यात्री नहीं मिला। एसडीओपी अभिलाष भलावी व अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा क्रेन बुलवाई। क्रेन के कर्मचारी व कुछ ग्रामीण गोताखोरों की मदद से दोपहर में कार को बाहर निकाला गया। पुलिस ने आसपास तलाश की लेकिन कार ड्राईवर या अन्य कोई व्यक्ति नहीं मिला। पुलिस कार को नामली थाने पर ले गई तथा कार खोलकर चेक की तो उसमें सफेद छह बोरे पाए गए। बोरों को खोलकर देखा तो उनमें डोडाचूरा मिला। कार से पांच बोरे गिले व एक सूखा मिला। सूखे बोरे का वजन करने पर उसमें करीब 19 किलो 800 ग्राम डोडाचूरा भरा हुआ था। इससे माना जा रहा है कि सभी बोरों में करीब 20-20 किलो डोडाचूरा होगा।

कार चालक की तलाश जारी...

एसडीओपी अभिलाष भलावी ने बताया कि कार एक्सीडेंट होने की सूचना मिली थी। क्रेन व गोताखोरों की मदद से उसे बाहर निकालकर तलाशी ली गई तो उसमें डोडाचूरा से भरे छह बोरे पाए गए। कार के ड्राइवर व उसके पास वाली सीट के एयरबैग खुले पाए गए हैं। इससे माना जा रहा है कि उसमें ड्राइवर के अलावा अन्य व्यक्ति भी सवार होगा। जो दुर्घटना के बाद निकल कर भाग निकला। कार ड्राईवर की तलाश की जा रही है। उसके मिलने के बाद ही पता चलेगा कि कार में वह अकेला था या अन्य लोग भी थे तथा डोडाचूरा कहां से लेकर कहां जा रहे थे।

ई फार्मेसी से बिकने वाली दवाईयों की गुणवत्ता संदिग्ध-धींग

राहुल सोनी

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। मप्र केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष गौतमचंद्र धींग ने कहा कि ई फार्मेसी याने ऑनलाइन दवा व्यापार के खिलाफ संगठन पूरी मजबूती से लड़ाई लड़ रहा है। सकारात्मक निर्णय आने तक यह लड़ाई जारी रहेगी।

श्री धींग ने मंदसौर प्रवास के दौरान एक विशेष चर्चा में कहा कि ऑनलाइन फार्मेसी के खिलाफ हमारी लड़ाई का ही नतीजा है कि इनके टीवी पर विज्ञापन पर रोक लगी है। हम शासन और प्रशासन स्तर पर केमिस्ट हितो को लेकर लड़ रहे है। सम्भावना है कि आने एक से डेढ साल में हमें कामयाबी भी मिल जाएगी। जिला एसोसिएशन की साधारण सभा व अभिनन्दन समारोह के बाद चर्चा कर रहे गौतमचंद धींग ने कहा कि अगले माह में आल इंडिया केमिस्ट एसोसिएशन के सम्मलेन में भी इस मुद्दे पर गंभीता से चर्चा होंगी। कोशिश रहेगी कि ऑनलाइन फार्मेसी वालो को सीधे कंपनी या फ़ेक्ट्री से दवा सप्लाई बंद हो जाये। साथ ही ई फार्मेसी को पूरी तरह बंद करवाने की दिशा में प्रभावी कदम भी उठाये जायेंगे। एक प्रश्न के जवाब में एमपीसीडीए के अध्यक्ष धींग ने कहा कि उपभोक्ताओं को भी ऑनलाइन फार्मेसी को लेकर सतर्क होना चाहिए। उन्होने कहा कि ऑनलाइन बिकने वाली दवाईयाँ ओरिजिनल है या डुप्लीकेट। इसका निर्धारण कैसे किया जा सकता है। अभी जो भी नकली दवाइयों के जखीरे पकड़ाए है उनमे ऑनलाइन फार्मेसी का इन्वॉल्वमेन्ट आया है। ऐसे में साफ साफ कहा जा सकता है कि ऑनलाइन दवा व्यापार से सप्लाई होने वाली दवाइयों की विश्वासनीयता संदिग्ध है। उन्होंने सरकार से ऑनलाइन फार्मेसी के व्यवसाय पर रोक की मांग की। इस दौरान एमपीसीडीए के सचिव राजीव कुमार सिंघल, संगठन सचिव मनोजअगनानी, संभागीय उपाध्यक्ष राजकुमार जैन, जिला अध्यक्ष रविन्द्र जैन व सचिव अरुण भदादा भी मौजूद थे।

केमिस्ट व्यवसायी रहे अपडेट- प्रदेश अध्यक्ष गौतमचंद धींग ने कहा कि प्रतिस्पर्धा और तकनीकी क्रांति के दौर में सभी केमिस्ट साथियों को अपडेट होना चाहिए। सभी कम्प्यूटराइज्ड और नये सॉफ्टवेयर से लब्ध तकनीक अपनाकर अपने व्यापार को अपडेट करना होंगा।

एनएसएस की स्वयं सेविका शर्मा का हुआ प्रीआरडी कैंप में चयन

मनासा, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई मनासा की स्वयंसेविका पायल शर्मा पिता पुष्कर शर्मा का हुआ पीआरडी कैंप में चयन, किया जिले एवं परिवार का नाम रोशन, करेगी जिले एवं विश्व विद्यालय का प्रतिनिधित्व।

आज विक्रम विश्विद्यालय उज्जैन का दल उज्जैन से उत्तराखण्ड के हरिद्वार जिले में आयोजित होने वाले एन.एस.एस पूर्व गणतंत्र दिवस परेड शिविर (प्री आर.डी कैम्प) के लिए रवाना हुआ। जिसमें राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई शासकीय आर.वी. कालेज मनासा की स्वयंसेविका पायल शर्मा पिता पुष्कर शर्मा नीमच जिले से विक्रम विश्विद्यालय का प्रतिनिधित्व करेगी। यह 10 दिवसीय शिविर को सफलता पूर्वक पूरा कर एक महीने के गणतंत्र दिवस परेड शिविर में भाग लेंगे एवं 26 जनवरी 2024 को दिल्ली कर्तव्य पथ पर भी परेड करेंगे। इनके इस चयन पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ एम.एल. धाकड़, राष्ट्रीय सेवा योजना जिला संगठक प्रो. अरुण कुमार चौरसिया, कार्यक्रम अधिकारी प्रो.आशा पटेल ने बधाई शुभकामनाएं देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

नारी शक्ति झांसी रानी से प्रेरणा लेकर संघर्षशील और आत्मनिर्भर बने -जायसवाल

विश्व हिंदू परिषद की मातृ शक्ति, दुर्गा वाहिनी का निकला पंथ संचलन

नीमच, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। झांसी की रानी के जन्मदिवस तथा गोपाष्मी पर्व के पावन उपलक्ष्य में नगर में विश्व हिंदू परिषद की दुर्गा वाहिनी मातृ शक्ति का एकत्रिकरण नगर के संघ स्थल सांवलिया मंदिर प्रांगण नीमच सिटी में हुआ जहां पर ध्वज व श्री राम के चित्र पर माल्यार्पण कर विशाल पंथ संचलन निकाला गया।संचलन संघ स्थल नीमच सिटी स्थित सांवरिया जी मंदिर के प्रांगण से बाल तरुण युवा दुर्गा वाहिनी की स्वयं सेविका, मातृ शक्ति का पथ संचलन घोष के साथ कदमताल करते हुए प्रारंभ होकर रोडवेज बस स्टैंड, बारादरी चैराहा, श्री बड़े बालाजी मंदिर, बिहार गंज नरसिंह मंदिर, नया बाजार श्री राम चैक, घंटाघर बिचला गोपाल मंदिर, श्री राम मंदिर ,पुस्तक बाजार विजय टाकिज चैराहा, गुरुद्वारा चैराहा, ब्रह्माकुमारी आश्रम होकर नगर के मुख्य मार्ग से निकला। और केंद्रीय विद्यालय के समीप गोधाम बालाजी पर पहुंचकर बौद्धिक सभा में परिवर्तित हो गया। मार्ग में स्थान स्थान पर पथ संचलन का पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया संचलन संघ स्थल पहुंचा जहां पर संगठन के पदाधिकारियों की उपस्थिति में बोध्दिक

मुख्य वक्ता विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति प्रांत संयोजिका श्रीमती आरती अजय जायसवाल इंदौर, विहिप विभाग मंत्री अनुपाल सिंह झाला, जिलाध्यक्ष सत्यनारायण पाटीदार जिला विभाग गोरक्षा प्रमुख लक्ष्मण राठौर, विभाग मातृ संयोजिका रेखा दीदी, जिला संयोजका माया दवे, जिला समिति का दुर्गा वाहिनी पूजा सोनगरा जिला संयोजिका माया दवे, प्रमूख रुप से उपस्थित थे। दुर्गा वाहिनी की युवतियां सफेद एवं भगवा परिधानों में तथा मातृशक्ति केसरिया लाल परिधानों में सहभागी बनी। संचलन में सबसे आगे केसरिया भगवा ध्वज लिए नारी शक्ति चलायमान थी। इसके साथ ही अनुष्का नरेला दंड घूमाते हुए चल रही थी। इसके साथ ही बालिकाएं केसरिया ध्वज पताका लिए चल रही थी और इसके साथ ही बालघोष वाहिनी देश भक्ति की स्वर लहरिया बिखेर रही थी। और अंत में रथ में भारत माता के रूप में सुश्री भूमिका चतुर्वेदी हाथों में भगवा ध्वज लिए विराजित थी।

मातृशक्ति द्वारा मार्ग में भारत माता की जय वंदे मातरम की जय गोष लगाई गई।गोधाम बालाजी में आयोजित धर्म सभा का शुभारंभ भारत माता एवं राम दरबार के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रजव्लित कर किया गया। विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी प्रांत संयोजिका श्रीमती आरती अजय जायसवाल इंदौर ने कहा कि महिलाएं झांसी की रानी के जन्म दिवस पर संकल्प ले की अपने वाले संकटों का मुकाबला शौर्य और साहस के साथ करेंगी दुश्मन चाहे कोई भी हो उसे झांसी की रानी की तरह उखाड़ फेंकेंगे। झांसी की रानी से प्रेरणा ले कि जिस प्रकार अंग्रेजों से लोहा लेकर साहस और संघर्ष के साथ मुकाबला किया और देश की आजादी की लड़ाई में अपना अभूतपुर्व योगदान दिया। मातृशक्ति जागरूक होकर विधर्मियों के खिलाफ संघर्ष करें और अपनी बहनों को लव जिहाद से बचाए।जिस प्रकार झांसी की रानी ने अंग्रेजों से संघर्ष किया और देश की रक्षा की इस प्रकार मातृशक्ति विधर्मियों से युद्ध करें और अपनी बहनों की रक्षा करें। मालवा प्रांत में मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी को तलवार शास्त्र कला दंड युद्ध राइफल जैसे अनेक युद्ध अभ्यास के साथ वर्ग आयोजित किए गए हैं। प्रशिक्षण शिविर निरंतर आयोजित किया जा रहे हैं।दुर्गा वाहिनी मातृशक्ति संगठन बजरंग दल की जैसे ही प्रदेश में सक्रियता के साथ अपना कार्य कर रहा है। संचलन यात्रा शौर्य यात्रा शक्ति यात्रा है हिंदू मुगल शासन और अंग्रेजों के शासन में भी शक्तिशाली था आज भी जागरुक है।

इंदिरा से आयरन लेडी बनने का सफर,उनके फैसले जिसकी वजह से अटल ने उन्हें दुर्गा कहा था-शर्मा

मल्हारगढ़, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। 19 नवम्बर को देश की पहली और एक मात्र महिला प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती है। अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने आपातकाल लगाने से लेकर परमाणु जैसे फैसले लिए जिसकी वजह से अटल बिहारी वाजपेयी जी ने उन्हें दुर्गा कहा था। उक्त बात मल्हारगढ ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अनिल शर्मा ने रविवार को सरकारी अस्पताल रोड पर स्थित ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय पर नगर कांग्रेस कमेटी द्वारा देश की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में कही शर्मा ने कहा कि इंदिरा जी गरीबो के कल्याण के लिए कई जनकल्याण कारी योजनाए संचालित की जिसका लाभ अंतिम छोर के यक्ति को मिला उन्होंने बैंकों के राष्ट्रीयकरण, राजा महाराजाओ के प्रिवियर्स पर्स भी बंद करने जैसे ऐतिहासिक फैसले भी लिए।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मोहनलाल गुप्ता, कमल परसिंधिया, चौथमल गुप्ता, पार्षद चेतना पोरवाल, कुसुम जैन, अनिता खोखर आदि ने इंदिरा जी की तस्वीर पर माल्यार्पण किया। इस मोके पर जिला कांग्रेस के महामन्त्री अनिल बोराना, मुकेश निडर, सचिव दिलीप गुप्ता, किशनलाल चौहान, महेंद्र गेहलोत, जिला पंचायत के पूर्व सदस्य अशोक खींची, ब्लॉक कांग्रेस के कार्यवाहक अध्यक्ष कन्हैयालाल पाटीदार, नगर कांग्रेस अध्यक्ष रामप्रसाद फरक्या, देवेंद्र कराडा, पार्षद सरफराज मेव, जिला कांग्रेस सचिव अनिल उस्ताद, समीर पठान, मनीष धनोतिया, किशोर टेलर, शरीफ शाह, ईश्वरलाल मालवीय, मनोज गुर्जर, दीपक शर्मा पहेडा, अशोक मालवीय, महेश मालवीय, जयराम धनगर, नाना बोराना आदि मौजूद थे।

भागवत कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्म की कथा हुई, मनाया जन्मोत्सव

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। नगर के नरसिंहपुरा क्षेत्र में सात दिवसीय संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कृष्ण जन्म के प्रसंग शुरु होते ही पांडाल में मौजूद श्रद्धालु नंद के घर आनंद भया जय कन्हैया लाल की भजनों के साथ झूम उठे। वहीं श्रद्धालुओं ने आतिशबाजी कर मक्खन मिश्री के प्रसाद का भोग लगाकर वितरित किया।

नरसिंहपुरा स्थित श्री चारभुजानाथ धर्मशाला में चल रही कथा में आचार्य गोपालकृष्ण महराज श्रीधाम वृन्दावन वाले ने कहा कि जीवन में जब भी भगवत नाम सुनने का अवसर प्राप्त हो, उससे विमुख नहीं होना चाहिए। भागवत महापुराण के विभिन्न प्रसंगों का वर्णन करते हुए बताया कि जब जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब तब परमात्मा अवतार धारण करके धरती पर धर्म की स्थापना करते हैं।

विभिन्न प्रसंगों पर सुनाई कथा - कृष्ण जन्म की कथा के पूर्व भगवान राम के अवतार की लीला का वर्णन किया। आचार्यश्री ने कहा कि भगवान राम ने आदर्श स्थापित किया है, वह आज भी प्रासंगिक है। राम जन्म, ताड़का वध, राम विवाह, वनवास, रावण वध सहित राम राज्याभिषेक पर सुन्दर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि द्वापर में जब कंस के अत्याचार बढ़े तो श्रीकृष्ण ने अवतार लेकर मुक्ति दिलाई। कथा के लाभार्थी रामचन्द्र कुमावत, दिनेश कुमावत, ललीत कुमावत (हरवा) ने बताया कि श्रीमद भागवत कथा महोत्सव किया जा रहा है। जिसमें क्षेत्र के भक्तजन पहुंचकर कथा का रसपान प्रतिदिन कर रहे है। उन्होने बताया कि कथा समापन के दूसरे दिवस तुलसी विवाह का आयोजन किया जाएगा। माता तुलसी की बारात लेकर मण्डफिया धाम से माता को ब्याहने श्री सांवलिया सेठ स्वयं पधारेंगे। कथा के चौथे दिवस जजमान के रुप में जिला धार्मिक उत्सव समिति ने आचार्यश्री का स्वागत कर आशिर्वाद लिया व आरती का लाभ भी प्राप्त किया। इस अवसर पर समिति के जिला अध्यक्ष सुभाष गुप्ता, संयोजक वर्दीचंद कुमावत, संस्थापकद्वय विनय दूबेला, विनोद मेहता, कन्हैयालाल सोनगरा, माणकलाल कुमावत, ओम कुमावत, गोपाल कुमावत, भरत कुमावत, रवी कुमावत, रमेशचन्द्र कुमावत, पिंकेश कुमावत, राकेश कुमावत, मुकेश आर्य, अशोक कुमावत सहित बडी संख्या में भक्तजनों ने उपस्थित होकर कथा श्रवण की।

भगवान महाकाल की पहली सवारी आज

उज्जैन, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। कार्तिक-अगहन मास में सोमवार को भगवान महाकाल की पहली सवारी निकाली जाएगी।

सवारी में अवंतिकानाथ चांदी की पालकी में सवार होकर तीर्थपूजन के लिए मोक्षदायिनी शिप्रा के रामघाट पहुंचेंगे। सवारी महाकालेश्वर मंदिर से शाम चार बजे शाही ठाठबाट के साथ शुरू होगी। शिप्रा तट पहुंचने पर सवारी का अभिषेक-पूजन होगा। परंपरागत मार्गों सें होते हुए सवारी शिप्रा तट पहुंचेगी। यहां पुजारी शिप्रा जल से भगवान महाकाल का अभिषेक-पूजन करेंगे। पूजन पश्चात सवारी पुन: मंदिर के लिए रवाना होगी। कार्तिक-अगहन मास में भगवान महाकाल की पांच सवारियां निकाली जाएंगी। बता दें इस बार कार्तिक-अगहन मास में भगवान महाकाल की पांच सवारियां निकलेंगी। 25 नवंबर को हरि-हर मिलन के लिए रात 11 बजे भगवान महाकाल की सवारी निकाली जाएगी। भगवान महाकाल की कार्तिक-अगहन मास की सवारी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ने की संभावना है। इन दिनों देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शनों के लिए पहुंच रहे हैं।

✻ अंतिम यात्रा ✻

हमारा अनुज संजय, दिनेश, महावीर, निलेश, राकेश, रितेश, अंकित एवं आयुष के चाचा जी श्रीमान ओमप्रकाश जी गर्ग सुपुत्र स्वर्गीय बापुलाल जी गर्ग (अंकित) का आकस्मिक निधन आज हो गया है। जिनकी अंतिम यात्रा 20 नवंबर 2023 सोमवार को प्रात: 10:30 बजे हमारे निवास स्थान गीताश्री, माल गोदाम रोड दशरथ नगर के पास मंदसौर से शव वाहन के द्वारा निकलेगी।

✻✻✻ शोकाकुल ✻✻✻
राजमल सुरेश चंद्र गर्ग मंदसौर

कलाल समाज ने सहस्त्रार्जुन भगवान की जयंती धूमधाम से मनाई

मंदसौर, 19 नवम्बर गुरु एक्सप्रेस। सर्ववर्गीय कलाल समाज सामाजिक समिति द्वारा अपने आराध्य देव राज राजेश्वर सहस्त्रार्जुन भगवान की पावन जयंती प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी धूमधाम से मनाई गई। जयंती पर समाज द्वारा विभिन्न प्रतियोगिता भी आयोजित की गई जिसमें महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साह के साथ भाग लिया। होटल इंडियन चेरी में आयोजित कार्यक्रम में समाजजनों ने सहस्त्रार्जुन भगवान के चित्र पर माल्यार्पण किया। तत्पश्चात् हवन पूजन कर महाआरती की गई। इस अवसर पर भक्ति गीतों एवं भजनों पर सभी ने नृत्य भी किया। कार्यक्रम के दौरान आयोजित मेहंदी प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता एवं रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की। जिनके विजेताओं को समिति ने पुरस्कृत किया। अंत में प्रसादी के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कलाल समाज के सभी वरिष्ठजन, पुरुष एवं महिलाओं ने उपस्थित होकर आराध्य देव का आशीर्वाद प्राप्त किया। उक्त जानकारी विकास बसेर ने दी।

एजेंसी देना है

शामगढ़, मल्हारगढ़ व धुधड़का में

दैनिक **गुरु एक्सप्रेस**

की एक और एजेन्सी देना है। इच्छुक व्यक्ति दोपहर 2 से शाम 5 बजे तक संपर्क करें।

9425105927, 28 -07422-495831

कार्यालय दैनिक गुरु एक्सप्रेस

15, नपा मार्केट, नयापुरा रोड़, मंदसौर

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक आशुतोष नवाल के लिए गुरु मीड्यिा एण्ड इंटरटेनमेन्ट कम्पनी, शक्ति नगर मन्दसौर से मुद्रित एवं 77 लक्ष्मीनगर, वेदान्त विहार मन्दसौर से प्रकाशित। (हर प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र मन्दसौर रहेगा) संपादक– आशुतोष नवाल RNI-MPHIN2006/20356
समाचार पत्र में छपे विज्ञापनों के लिए समाचार पत्र उत्तरादायी नहीं है एवं विज्ञापनो में प्रकाशित विचार विज्ञापनदाता की निजी राय है। इससे समाचार पत्र का कोई संबंध नहीं है। फोन 495831, मो. 9425105927,28 ashugurumds@gmail.com, ashu_guru2@yahoo.co.in